P-534

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-506

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. काल गणना में ब्रह्म मान का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. विवेचनपूर्वक बार्हस्पत्यमान का प्रयोजन बताइए।

3. व्यवहारिक दृष्टि से चान्द्रमान का विवेचन कीजिए।

4. देवासुरों के अहोरात्र व्यवस्था का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. अधिमास के कारण एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. अधिशेष एवं अवम को स्पष्ट करते हुए अहर्गण साधन कीजिए।

2. स्वकल्पित उदाहारणपूर्वक मध्यम ग्रह साधन विधि को लिखिए।

3. साधनपूर्वक शीघ्रकर्ण के महत्त्व को बताइए।

4. देशान्तर से क्या तात्पर्य है? इसके अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।

5. चर का आशय स्पष्ट करते हुए चरान्तर का विवेचन कीजिए।

6. स्पष्टक्रान्ति साधन कीजिए।

7. मन्दस्पष्ट ग्रह से आप क्या समझते हैं? संक्षेप में ग्रहस्पष्ट विधि को लिखिए।

8. ग्रह स्पष्टीकरण विधि का वर्णन कीजिए।